बुधवार

25 जून 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 141
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

नहर में गिरी कार, 4 की मौत

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी में आज सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां कोतवाली क्षेत्र में फायर ब्रिगेड दफ्तर के पीछे बहने वाली सिंचाई नहर में एक कार अनियंत्रित होकर गिर गई। इस हादसे में एक बच्चे सहित 4 लोगों की मौत हो गयी जबकि तीन गम्भीर रूप से घायल है। सूचना मिलने पर पुलिस व फायर ब्रिगेड के जवानों ने रेस्क्यू कर सभी मृतकों व घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। जहां घायलो की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह कोतवाली क्षेत्रांर्तगत फायर ब्रिगेड के पीछे बहने वाली सिंचाई नहर में एक कार अचानक गिर गयी। कार गिरते ही थोड़ा आगे बहकर पुलिया में फंस गई इस दौरान कार के अंदर पानी घुस गया। कार में 7 लोग सवार थे इनमें से एक बच्चे समेत 4 लोगों की मौत हो गई है। 3 लोग घायल हुए हैं. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने कार को रेस्क्यू करके नहर से बाहर निकाला। कार के शीशे खोलने पर पता चला कि एक बच्चे समेत कुल चार लोग दम तोड़ चुके थे। 3 लोग घायल हैं इन्हें सुशील तिवारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीनों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

एसपी सिटी प्रकाश चंद्र ने बताया कि कार में कुल सात लोग सवार थे। इनमें एक बच्चे सहित चार लोगों की मौत हो गई है। तीन लोगों का उपचार चल रहा है। नहर में कार गिरी और तेज बहाव होने के चलते कार बह गई। पुलिस कार और मृतक लोगों के संबंध में जानकारी इकट्ठा कर रही है।

बता दें कि भारी बारिश के कारण शहर के अन्य क्षेत्रों देवखड़ी, रक्सिया और कलसिया नालों में भी पानी का बहाव तेज है। इन क्षेत्रों में भी लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।नगर आयुक्त ऋचा सिंह खुद सुबह से ही फील्ड में डटी हुई हैं उन्होंने कहा कि स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। निगम द्वारा पहले से ही नालों की सफाई करवा दी गई थी, जिस कारण अधिकांश जगहों पर जलभराव की स्थिति नहीं बनी है। जहां से भी शिकायतें मिल रही हैं, वहां टीमें तुरंत पहुंच रही हैं किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए फायर सर्विस, पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमें भी अलर्ट मोड में हैं। लोगों से अपील की गई है कि अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें और नालों या तेज बहाव वाले इलाकों से दूरी बनाए रखें।

चाचा की हत्या कर भतीजे हुए फरार

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में रिश्तों को तार-तार करने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां सहसपुर क्षेत्र में खेत की मेड़ को लेकर हुए विवाद के चलते भतीजों ने चाचा की ही हत्या कर डाली जिसके बाद वह फरार हो गये। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आरोपी भतीजों की तलाश शुरू कर दी है। हत्या की यह वारदात सहसपुर थाना क्षेत्रांर्तगत केदारवाला में

घटित हुई है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह केदारवाला गांव निवासी वाजिद अली (65) अपने खेत की मेड़ दुरस्त कर रहा था। इस दौरान उसके दो भतीजे मनीष और असलम अपने खेत में आये और मेड़ सही तरीके से करने को लेकर चाचा-भतीजों में विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि विवाद इतना बढ़ा कि दोनो पक्षों में हाथापाई हो गयी। जिसके चलते वाजिद अली खेत में मौजूद पानी में जा गिरे। वाजिद अली के पानी में गिरते ही उनके दोनो भतीजों मनीष और असलम ने उनका पानी में मुंह दबाकर उनकी हत्या कर डाली। वहीं शोर शराबा सुनकर मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों को देख कर दोनो हत्यारे भाग खड़े हुए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक वाजिद अली के शव को कब्जे में लेकर हत्यारोपी मनीष व असलम की तलाश शुरू कर दी है। वहीं मामले में क्षेत्रवासियों का कहना है कि इन दोनो परिवारों का खेत की मेड़ को लेकर लम्बे समय से विवाद चल रहा था। बहरहाल पुलिस अब हत्यारोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

इतिहास कभी माफ नहीं करता

इतिहास कभी मरता नहीं है। सत्ता में बैठे जो लोग 50 साल पूर्व 25 जून 1975 कि उस घटना को जब देश ने पहली बार आपातकाल की त्रासदी को भुगता था, लोकतंत्र की जड़े हिला देने वाली घटना बता कर युवाओं से शाह कमीशन की रिपोर्ट पढ़ने का आग्रह कर रहे हैं। जिससे वह कांग्रेस के शासनकाल का सच जान सके, उन नेताओं को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि उनके कार्यकाल के 11 साल यानी कि बीते समय के 4000 दिन भी उस इतिहास का हिस्सा बनकर उसी इतिहास की किताब में दर्ज हो चुके हैं जिसमें आपातकाल का इतिहास दर्ज है। शासक भले ही कोई भी रहे सभी के कार्यकाल का एक इतिहास होता है। जो कभी मरता नहीं है। अभी बीते दिनों संसद सत्र के दौरान लोकसभा में बोलते हुए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने एक बात कही थी कि सत्ता पक्ष के लोगों की कोई बात पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी के प्रसंगों के बिना पूरी नहीं होती है। कांग्रेस ने 50 साल में ऐसा किया वैसा किया वह सब ठीक है लेकिन आप अपने कार्यकाल के 10 सालों पर कभी कोई सवाल-जवाब करने को तैयार क्यों नहीं होते हैं। आपको देश के लोगों को यह बताना चाहिए कि आपने इन 10-11 सालों में क्या-क्या किया है। 2014 के लोकसभा चुनाव के समय से लेकर आज तक आपने देश से और देश की जनता से जो वायदे किए थे उनके बारे में आपको बात करनी चाहिए? 100 दिन के अंदर विदेश में जमा काला धन वापस लाएंगे और हर एक गरीब के बैंक खाते में 10-10 लाख रुपए डालकर देश से गरीबी को मिटा देंगे ? अब तो आपको सत्ता में रहते हुए 4000 दिन हो चुके हैं क्या काला धन वापस आ गया? आपने सत्ता में आने पर बेरोजगारी मिटाने की बात कही थी आप हर साल 2 करोड़ युवाओं को रोजगार देने वाले थे क्या आपने युवाओं को रोजगार दिए आप युवाओं को रोजगार देने की बजाय उन्हे डिग्री लेकर पकोड़े तलने और पकोड़े बेचने को भी रोजगार बताकर उनका मजाक बना रहे हैं। देश जो लघु उद्योगों और ग्रह उद्योगों से चला, वहां अपने जीएसटी लगाकर छोटे व्यापारियों व व्यवसायियों को कंगाली की दहलीज पर पहुंचा दिया, क्या इतिहास का हिस्सा नहीं है। नोटबंदी का रातों-रात जो फैसला लेकर आपके द्वारा जो देशवासियों को चौंकाने का काम किया गया था उसके पीछे आपका क्या मंसूबा था? इसका क्या फायदा हुआ और क्या नुकसान हुआ इतिहास एक दिन यह सवाल पूछेगा। अपने 11 साल के कार्यकाल में एक भी पत्रकार वार्ता न करने वाले प्रधानमंत्री मोदी से क्या इतिहास यह नहीं पूछेगा कि आपने अपने पूरे कार्यकाल में किसानों, मजदूरों और बेरोजगारों के मन की बात क्यों नहीं सुनी? देश की तमाम स्वायत्त संस्थाएं भले ही वह निर्वाचन आयोग हो या फिर सीबीआई और ईडी हो उनका काम सिर्फ सत्ता के लिए ही काम करना क्यों हो गया। मीडिया जिस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है वह तो जैसे कोई तमाशा ही बनकर रह गया उसके हिस्से में तो सिर्फ चाटुकारिता के कुछ शेष नहीं बचा है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को छीन कर लोकतंत्र को जिंदा रखने का जो तमाशा इस दौर में जारी है वह आखिर कब तक चलेगा या चल सकता है। आरक्षण, महिला सुरक्षा के नाम पर छलावे की राजनीति कब तक चलेगी। सत्ता से सवाल जब देशद्रोह मान लिया है तो वह लोकतंत्र जिसमें सवालों का जवाब देने की बजाय मौन तंत्र को ओढ़ लिया जाए। वह लोकतंत्र भला कैसे लोकतंत्र हो सकता है। लेकिन इतिहास तो हर काल का लिखा ही जाना है और इतिहास कभी किसी को माफ नहीं करता भले ही उसे दौर का शासक कोई भी रहा हो।

पारदर्शी पंचायत चुनाव कराने को कांग्रेसियों ने निर्वाचन आयुक्त को दिया ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। त्रि स्तरीय पंचायत चुनावों में निष्पक्ष एवं पारदर्शी कराये जाने की मांग को लेकर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयुक्त को ज्ञापन सौंपा।

आज यहां महानगर के वरिष्ठ कांग्रेसजनों के प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा के नेतृत्व में राज्य के निर्वाचन आयुक्त से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपते हुए त्रि स्तरीय पंचायतों में निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव कराये जाने की मांग की। पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कहा कि उत्तराखंड राज्य में एक बार फिर त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों की घोषणा के उपरान्त निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचना रद्द की जा चुकी है। आगामी समय में सम्पन्न होने वाले पंचायत चुनाव में लगभग 48 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। आपके संज्ञान मे लाना चाहेंगे कि इसी वर्ष जनवरी 2025 में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा शहरी क्षेत्रों में नगर निकाय चुनाव संपन्न कराए गये थे, जिनमें करीब 30 लाख वोटरों के नाम वोटिंग लिस्ट में दर्ज थे। उसी दौरान राज्यभर से हजारों शिकायतें आई थीं कि कई लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिये गये हैं। हमें आशंका है कि राज्य में सम्पन्न होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में भी इसी प्रकार की भारी गड़बड़ियां दोहराई जा सकती हैं और बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से नदारद हो सकते हैं। यह आशंका इस बात से भी और मजबूत होती है कि पिछले साल अप्रैल 2024 में हुए लोकसभा चुनावों में उत्तराखंड में 84 लाख से अधिक पंजीकृत मतदाता थे, जबकि शहरी निकाय और अब पंचायत चुनावों में कुल मतदाता संख्या लगभग 78 लाख के आसपास ही सीमित रह गई है। पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि कई क्षेत्रों में यह भी देखने में आया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में कई ऐसे मतदाताओं का नाम भी वोटर लिस्ट में शामिल हैं जो नगरी क्षेत्र में सम्पन्न हुए निकाय चुनावों में अपने मतदान का प्रयोग कर चुके हैं।

ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व विधायक राजकुमार, गोदावरी थापली, वीरेंद्र पोखरियाल, संजय किशोर, महिपाल शाह, नीनू सहगल, परवीन त्यागी, मोहित नेगी, अश्वनी बहुगुणा, विनीत डोभाल, सुमित नेगी, शम्मी प्रकाश, अशद खान, अभिषेक उनियाल आदि शामिल थे।

अल्पसंख्यकों ने विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूर्ण करने की शपथ ली

संवाददाता

देहरादून। मेयर सौरभ थपलियाल ने विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूर्ण करने की शपथ दिलाई।

आज यहां विकसित भारत का अमृत काल सेवा सुशासन और गरीब कल्याण 11 साल बेमिसाल कार्यक्रम मुस्लिम बहुल क्षेत्र गांधी ग्राम कैंट विधानसभा के सरदार पटेल मंडल में अल्पसंख्यक मोर्चा महानगर अध्यक्ष यासमीन आलम खान के नेतृत्व में कार्यक्रम संयोजक अकबर कुरैशी के निवास के प्रांगण में पूर्व भाजपा पार्षद प्रत्याशी वार्ड 26 हाजी रईस अंसारी ने बताया कि मुस्लिम बहुल क्षेत्र गांधी ग्राम में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन अल्पसंख्यक मोर्चा महानगर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रथम नागरिक मेयर सौरभ थपलियाल ने केंद्र में मोदी सरकार की जो योजनाएं पूरे देश में चल रही हैं किस तरह उन योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में बैठे हुए व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने बताया उत्तराखंड राज्य मंत्री श्याम अग्रवाल ने भी अल्पसंख्यक समाज की जो योजनाएं केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही है उन्हें विस्तार से बताया। मेयर सौरभ थपलियाल ने विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूर्ण करने की शपथ दिलाई। संकल्प सभा में उपस्थित अल्पसंख्यक समाज के सैकड़ो लोगों ने शपथ ली। कार्यक्रम में संचालन रमजान अली मास्टर शकील हाजी रईस अंसारी महानगर महामंत्री शहजाद खान ने किया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति आजम खान, नदीम रॉक्सी, अफरोज खान, निसार, जुल्फिक, अबरार अहमद, हम्माद मुनीर, मुकर्रम, मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा, मंडल अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा इसराइल मलिक, विनोद, जाहिद कुरैशी, तोमर महिपाल, अमित वाल्मीकि, शहजाद, शमशाद, निजामुद्दीन, मुजम्मिल, फहीम, आरिज, दानिश कुरेशी, निजाम, राशिद अहमद, नवाब कुरैशी, ओवैस एवं भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

राजगीत चैलेंजर्स ने राजगीत किंग को 119 रनों से हराया

संवाददाता

देहरादूनं राजगीत प्रीमियर लीग में राजगीत चैलेंजर्स ने राजगीत किंग को 119 रन से हराकर जीत का सेहरा पहना। आज यहां राजगीत चैलेंजर्स टै राजगीत किंग्स के बीच मैच खेला गया। जिसमे राजगीत चैलेंजर्स ने टॉस जीतकर बैटिंग का फैसला लिया। जिसमे राजगीत चैलेंजर्स में निर्धारित 30 ओवर में 226 रन का लक्ष्य दिया। जिसमे मीनाक्षी ने 41 रन्स , शौर्य ने 31, पीयूष ने 33 रन और अथर्व ने 35 रन का योगदान दिया। राजगीत किंग के तरफ से बोलिंग में दियांशु दम 3 विकेट हासिल किए और अरनब रावत 2 विकेट हासिल किए। जवाब में उतरी राजगीत किंग्स महज 119 रन पे ऑल आउट हो गई। जिसमे वंश दुबे ने 27 रन्स किए, कैप्टेन ऋषि ने 22 रन्स और अव्यालिक ने 20 रन्स किए। राजगीत चैलेंजर्स की बोलिंग तरफ से अनिरुद्ध और सूर्या ने दो दो विकेट लिए। राजगीत चौलेंजर्स ने 105 रन्स से मैच जीता। आज के मैच के मैन ऑफ द मैच मीनाक्षी रहे। आज के मैच के मुख्य अथिति एस जी आर आर इंटर कॉलेज नेहरूग्राम की प्रधानाचार्य श्रीमति प्रतिभा पाठक और अशोक बल्लभ मौजूद रहे।

गाँवों में प्राथमिक एवं जूनियर कक्षा के बच्चों के साथ समर कैंप आयोजित

कार्यालय संवाददाता

रुद्रपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर के स्वयंसेवियों द्वारा गर्मी की छुट्टी में अपने अपने गाँवों में प्राथमिक एवं जूनियर कक्षा के बच्चों के साथ समर कैंप आयोजित किया जा रहा है। यह समर कैंप भारत के लगभग 23 राज्यों में शिक्षा गुणवत्ता के लिए कार्य कर रही संस्था प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन और राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है।

इस समर कैंप में स्वयंसेवियों द्वारा कक्षा 4, 5 और 6 में पढ़ने वाले ऐसे सभी बच्चों के साथ भाषा और गणित की गतिविधियां की जा रही हैं। इस समर कैंप में खेल के माध्यम से बच्चों को हिन्दी पढ़ना और बुनियादी गणित से सम्बंधित कौशल सिखाए जा रहे हैं।

इस समर कैंप में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवी अनामिका सिंह, प्रशांत कुमार, साजिया बी, सावीन जहाँ, सरिता बिष्ट, शुवांशु बिष्ट, कैलाश चौधरी, दिया, साक्षी, प्रेरणा, गरिमा, दीक्षा, निकिता और अमिता द्वारा सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया जा रहा है । विगत दिवस राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ राजेश कुमार सिंह द्वारा गदरपुर ब्लॉक के बसन्तीपुर गाँव में समर कैंप का निरीक्षण एवं प्रतिभाग किया गया।

राजनीति में नैतिकता का क्षरण ना हो

संजीव ठाकुर

महात्मा गांधी जी ने कहा था कि सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है। इसके अलावा प्रसिद्ध विचारक हेनरी एडम ने कहा है कि मानव स्वभाव का ज्ञान ही राजनैतिक शिक्षा का आदि और अंत है' भारतीय राजनीति का उद्भव प्राचीन काल से हुआ है, किंतु इसकी प्रकृति में परिवर्तन तब आया जब भारत विश्व स्तर पर एक आधुनिक राज्य के रूप में स्थापित हुआ।

भारतीय राजनीति में स्वतंत्रता के पूर्व नैतिकता एवं संस्कृति की एकता के दम पर स्वतंत्रता संग्राम पर विजय प्राप्त की थी। विवेकानंद, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, सरदार पटेल, लाला लाजपत राय और न जाने कितने महान लोगों ने ब्रितानी हुकूमत को देश से भगाया था।

देश का स्वतंत्रता संग्राम जनप्रतिनिधियों को नैतिकता के पालन के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। जब भारत में स्वतंत्र लोकतांत्रिक राजनीति का आरंभ हुआ तो नैतिकता का क्षरण आरंभ हो गया। राजनीति धीरे-धीरे सिद्धांत से विमुख होती गई। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात यह माना जाता रहा है कि राजनीति में अनैतिकता के पनपने के दो प्रमुख कारण माने गए धनबल और बाहुबल। राजनीति में ऐसा कहा जाता है कि जिसके पास धन होता है उसके पास बल भी होता है, और भारतीय राजनीति में और कई प्रदेशों के संदर्भ में यह बात सर्वथा उचित प्रतीत होती है। भारतीय राजनीति में धनबल और बाहुबल का नकारात्मक प्रभाव नैतिकता के पतन के रूप में सामने आया है।

स्वतंत्रता के पश्चात राजनेताओं में स्वयं के लिए धन एकत्र करना एवं येन-केन-प्रकारेण सत्ता स्थापित करने के प्रयास के कारण नैतिकता धीरे-धीरे स्खलित होती गई है। नेताओं का बेईमानी और भ्रष्ट कार्य में लिप्त होना भी राजनीति में नैतिकता के पतन का प्रमुख कारण है और यही कारण है कि आज अधिकतर राजनेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगते हैं। सर्वविदित है कि सार्वजनिक संपत्ति को अपनी स्वयं की संपत्ति बनाने की होड़ में राजनेताओं को कर्तव्य पथ से विमुख होते देखा गया है। राजनीति में राजनेताओं ने इसे संपत्ति कमाने का जरिया ही मान लिया है। सार्वजनिक संसाधनों का पूरा नियंत्रण राजनेताओं के पास होता है। इसका उपयोग वे अपने संसदीय, विधानसभा क्षेत्र के लिए करते हैं। राजनीति में भाई-भतीजावाद सामान्य लक्षण है। कोई भी राजनेता आज यह चाहता है कि योग्यता हो ना हो; बड़ा पद उसके भाई, भतीजे ,पत्नी, बेटे आदि को मिल जाए।

इतना ही नहीं कई बार सगे-संबंधियों के अपराधी होते हुए भी राजनीतिक पद अथवा चुनावी टिकट दिलाने का प्रयास करते हैं। भारतीय राजनीति में क्रोनी कैपिटिलज्म ठीक तरीके से पैर जमा चुका है। इसमें उद्योगपति राजनीतिक चंदा का हवाला देते हुए राजनेताओं से देश की नीतियों को अपने पक्ष में करवा लेते हैं और इस तरह जनता का शोषण शुरू हो जाता है। भारतीय राजनीति में इस तरह के आरोप लंबे समय से लगते आ रहे हैं। राजनीति में उच्च नैतिक मूल्यों का महत्त्व घटने के साथ-साथ राजनीतिक मापदंड शासन को राजनीति आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में नकारात्मक रूप से प्रभावित करता जा रहा है। राजनेताओं से अपेक्षा होती है कि वह समाज के प्रति प्रतिबद्ध होकर काम करें किंतु अनैतिक राजनीति इस प्रतिबद्धता में एक बड़ी बाधा है, और इसके साथ ही राजनेता अनैतिक प्रथाओं का समावेश कर अपनी राजनीतिक रोटी सेकने में कतई गुरेज नहीं करते हैं।

इतना ही नहीं राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप की भाषा भी निम्न स्तर तथा अनैतिक होते जा रही है, और यही कारण है कि राजनीति में अयोग्य लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। विडंबना यह है कि भारत में प्रत्येक पेशेवर व्यक्ति के लिए कार्य करने के लिए योग्यता निर्धारित की गई है, किंतु जनता पर शासन करने वाले जनप्रतिनिधियों की कोई भी योग्यता निर्धारित नहीं की गई है। संविधान में ही योग्यता निर्धारित नहीं है, लेकिन संसद द्वारा पारित जनप्रतिनिधि अधिनियम 1991 में भी इसका कोई प्रावधान नहीं किया गया। इसीलिए संविधान तथा इस अधिनियम में जनप्रतिनिधियों की शैक्षणिक योग्यता एवं अपराधिक निर्योग्यता का प्रावधान किया जाना चाहिए, जिससे राजनीति थोड़ी साफ-सुथरी हो और नैतिकता तथा आत्मबल में वृद्धि हो। पढ़े लिखे, शिक्षित लोगों की राजनीति में आने से वहां का वातावरण थोड़ा शुद्ध होने की संभावना बनती है और देश के विकास को भी बल मिलता है।

यह बात महत्त्वपूर्ण है कि सामान्यता अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को विधानसभा या लोक सभा में टिकट नहीं दी जानी चाहिए। प्रायः देखा गया है कि अनैतिकता की शुरु आत अधिक धन के संचालित होती है। इसीलिए सभी राजनीतिक दलों के प्राप्त चंदे को ऑडिट के दायरे में लाया जाना चाहिए। सदनों की नियमावली में परिवर्तन करते हुए सूचना के अधिकार के अंतर्गत जिसमें पार्टियों की गतिविधियां भी आरटीआई के दायरे में लाई जा सके। हाल ही में संसद की निष्पादन क्षमता में भारी कमी आई है, क्योंकि प्रत्येक राजनीतिक दल संसद का प्रयोग राजनीतिक लाभ के लिए करने लगे हैं, इसीलिए नियमावली में परिवर्तन के साथ इस पर लगाम लगाई जानी चाहिए। इससे राजनीति में नैतिकता का क्षरण ना हो। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

सपा ने अपने दिवंगत तीन नेताओं की याद में रखी शोक सभा

संवाददाता

देहरादून। समाजवादी पार्टी ने गुलफाम अली, एसके तुंग व चंद्र मोहन मुंडेपी की याद में शोक सभा का आयोजन कर पौधारोपण किया।

समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय सचिव पूर्व जिला अध्यक्ष व प्रभारी गुलफाम अली का बीते दिनों आकस्मिक इंतकाल हो गया। वह 57 साल के थे साथ ही पार्टी के एक वरिष्ठ नेता सरदार एस के तुंग जो 100 साल के थे पार्टी के एक और बड़े नेता चंद्र मोहन मुंडेपी जो टिहरी से थे पिछले दिनों इन तीन नेताओं का निधन हुआ। आज उनकी याद में एक शोक सभा परेड ग्राउंड पार्टी प्रदेश कार्यालय पर हुई सभा के बाद तीनों की याद में दो मिनट का मोन रखा गया और तीनों की याद में पार्टी ऑफिस में एक फलदार पौधा लगाया गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सत्य नारायण सचान ने कहा कि गुलफाम अली, तुंग साहब, मुंडेपी तीनों पार्टी के एक मजबूत स्तंभ थे वो स्तंभ अचानक गिर गए उनके चले जाने से पार्टी को जो नुकसान हुआ है उसकी भर पाई मुश्किल है उनके चले जाने से पार्टी परिवार में शोक की लहर है। पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती आभा बड़थ्वाल ने कहा कि गुलफाम अली, मुंडेपी और तुंग साहब लोगों के सुख दुख में खड़े रहने वाले समाजवादी पार्टी का परचम उठाने वाले एक जुझारू, संघर्ष शील और ईमानदार व बहादुर नेता थे और गुलफाम अली देहरादून के साामाजिक क्षेत्र में अपनी एक पहचान रखने वाले बेहतरीन शक्सियत थे वह जबसे विनोद बड़थ्वाल के साथ सपा में जुड़े थे तब से आज तक समाजवादी ही रहे और उनकी पहचान लाल टोपी लाल जवाहर कट ही रही। उनके चले जाने से पार्टी को बहुत नुकसान हुआ है। पूर्व जिला प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि सरदार तुंग, मुंडेपी, और गुलफाम अली के चले जाने से पार्टी का बड़ा नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा कि गुलफाम अली को उत्तराखंड के बहुत से बड़े नेताओं ने दूसरी पार्टियों में सम्मिलित होने का प्रस्ताव दिया और बड़ा पद देने की बात कही लेकिन अपने नेता बड़थ्वाल की तरह वह भी किसी पार्टी में नहीं गए और अंतिम इच्छा थी के पार्टी के झंडे में ही अंतिम यात्रा निकले उसी इच्छा अनुसार उनको समाजवादी पार्टी के झंडे में ले जाया गया।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुलफाम अली, तुंग साहब और मुंडेपी, के निधन पर गहरा दुख प्रकट करते हुए उनके परिवार को शोक संदेश भेज कर अधिक अफसोस जाहिर किया है।

शोक सभा में पार्टी परिवार के अधिक संख्या में लोग देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश और दूसरे शहरों से आए और गुलफाम अली के भाइयों नसीम, सलीम, सनोवार, बेटो अकमल, समीर और आमिर मिट्टू से और तुंग साहब के बेटे गुरप्रीत सिंह जो शोक सभा में शामिल थे उन से मिल कर उनका दुख बाटने का काम किया। जिनमे सपा की उत्तर प्रदेश से पूर्व कैबिनेट मंत्री आभा बड़थ्वाल सत्यनारायण सचान, सपा के वरिष्ठ नेताओं में राजेंद्र प्राशर, संदीप नेगी, अतुल यादव, रमेश चंद्र गॉड, हुसैन अहमद, फुरकान कुरेशी, अमित यादव, सुरेश यादव, नसीम नददाफ,चंद्र शेखर यादव, गुरप्रीत सिंह, अंसार अहमद, वैभव बड़थ्वाल, शकील अहमद, महंत शुभम गिरी, आरिफ वारसी, रूही अंजुम, मश्कूर कुरेशी, साजिद अली, आर के पाठक,नरेंद्र गुज्जर सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

बेची कार को दूसरी चाबी लगाकर की चोरी

संवाददाता

देहरादून। बेची हुई कार को दूसरी चाबी लगाकर चोरी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गागलहेडी निवासी अभिषेक कुमार ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने राहुल मित्तल व नाजीर से एक स्विफ्ट कार खरीदी थी। उसने कार को डीडी कालेज नींबूवाल के सामने खडी की थी। कुछ देर बाद ही राहुल मित्तल व नाजीर उसकी कार को दूसरी चाबी लगाकर चोरी करके ले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने पीठ बाजार के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रगति विहार सेलाकुई निवासी जितेन्द्र कुमार ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से शंकर पुर पीठ बाजार में गया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल बाजार के बाहर खडी कर दी थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चीनी का सेवन बढाती है कई बीमारियों का जोखिम !

हमारे खान-पान की आदतें ऐसी हो गई हैं कि शरीर में जरूरत से ज्यादा चीनी पहुंच रही है, और हम इसका अंदाजा तक नहीं लगा पाते। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (उत्तर प्रदेश) ने एक जागरूकता अभियान के जरिए लोगों को चीनी के सीमित सेवन की सलाह दी है। उनका कहना है कि अत्यधिक चीनी का सेवन डायबिटीज, मोटापा और हृदय रोग जैसे गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों का कारण बन सकता है।

हमारी रोजमर्रा की डाइट में कई ऐसे खाद्य और पेय पदार्थ शामिल हैं, जिनमें छिपी हुई चीनी होती है। एक 300 मिलीलीटर की सॉफ्ट ड्रिंक में 31.8 ग्राम चीनी और 132 कैलोरी होती है। इसी तरह चॉकलेट पेस्ट्री में 12 ग्राम चीनी और 297 कैलोरी, फ्लेवर्ड जूस में 46.8 ग्राम चीनी और 189 कैलोरी, चॉकलेट में 25 ग्राम चीनी और 100 कैलोरी, और एक गुलाब जामुन में 32 ग्राम चीनी व 254 कैलोरी पाई जाती है। यह आंकड़े बताते हैं कि अनजाने में ही हम अपनी जरूरत से कहीं ज्यादा चीनी का सेवन कर रहे हैं। भारत में चीनी का सांस्कृतिक महत्व भी रहा है, लेकिन पिछले कुछ दशकों में खानपान की आदतों में बड़ा बदलाव आया है। वैश्वीकरण और प्रोसेस्ड फूड्स की उपलब्धता के चलते कोल्ड ड्रिंक, मिठाइयां और पैकेज्ड स्नैक्स का सेवन तेजी से बढ़ा है। इसका सीधा असर लोगों की सेहत पर दिख रहा है। खासकर मोटापा और टाइप 2 डायबिटीज के मामलों में तेजी आई है। एक हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाकर और बच्चों को भी उसकी आदत डालकर, हम न केवल खुद को, बल्कि अगली पीढ़ी को भी गंभीर बीमारियों से बचा सकते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन भी सुझाव देता है कि दैनिक कैलोरी का केवल 5-10 प्रतिशत हिस्सा ही मुक्त चीनी से आना चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए हमें अपने खान-पान में फल, सब्जियां और साबुत अनाज को प्राथमिकता देनी चाहिए। अगर समय रहते चीनी के सेवन पर नियंत्रण न किया जाए तो यह जीवनशैली से जुड़ी कई बीमारियों को जन्म दे सकता है। इससे बचाव के लिए जरूरी है कि लोग पैक्ड खाद्य पदार्थों के लेबल पढ़ें, सॉफ्ट ड्रिंक की जगह नींबू पानी या बिना चीनी वाला प्रेश जूस लें, संतुलित आहार अपनाएं और नियमित व्यायाम करें।

नए घर में प्रवेश से पहले कुछ बातों का रखें ध्यान

नये मकान में प्रवेश से पहले या घर खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखना आवश्यक है। वास्तु-ज्योति के अनुसार मकान क्या लाभ एवं हानि देते हैं इस पर विचार करना आवश्यक है। घर लेते समय एवं निवास में प्रवेश के बाद कुछ बातों का विशे ध्यान रखना चाहिये। किसी भी रास्ते का अथवा गली का अंतिम मकान अशुभ होता है, यह कट देने वाला होता है, (जहाँ रास्ता न हो)। एक ही दीवार से दो मकान बने हुए हों,(संयुक्त हों) तो वह यमराज के समान कट देने वाले होते हैं। मालिक कट में रहता है।

मकान पूर्व में उत्तर में हमेशा नीचा एवं पश्चिम में ऊँचा होना चाहिए। मकान दक्षिण में यदि ऊँचा है तो धनवृद्धि एवं पश्चिम में नीचा है तो धन का नाश करता हैघर के चारों तरफ एवं मेन गेट के सामने कुछ जगह छोड़ना चाहिए, यह लाभदायक रहती है। घर ऐसा बनाना चाहिए जिसमें मंदिर, के स्थान (देवालय) में सूर्य किरणें पड़ें, वरना अशुभ होता है।

हमेशा याद रखें पश्चिम से पूर्व की तरफजो मकान लंबा होता है, वह सूर्यबेधी कहलाता है एवं उत्तर से दक्षिण की ओर वाला मकान श्चंद्रबेधी कहलाता है। शास्त्रों के अनुसार चंद्रबेधी मकान शुभ होता है। मकान में यदि आप आँगन छोड़ते हैं तो ध्यान रखें वह चंद्रबेधी हो। मकान के कुछ भाग में मिट्टी अवश्य होना चाहिए। पंचक में घर को लीपना, पुताई करना, जलाऊ लकड़ी लाना अशुभ होता है। (पंचक धनिठा, शतभिा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद एवं रेवती के बीच रहता है।) नए घर में मेन गेट का विशेष ध्यान रखना चाहिए क्योंकि इसके टूटने से स्त्री को कट होता है। नए घर में कोई वस्तु टूट जाती है, तो घर में किसी सदस्य की मृत्यु या मृत्यु समान कट होता है। घर में टूटी खाट, टूटे बर्तन, टूटे-फूटे आसन एवं टूटी सायकल अथवा टूटे वाहन अशुभ फ्ल देते हैं।

घर के अंदर बड़े वृक्ष नहीं होना चाहिए क्योंकि बड़े वृक्ष की जड़ में साँप, बिच्छू अपना स्थान बनाते हैं जोकि अशुभ होता है। व्यक्ति को हमेशा अपने भविय को शुभ मानकर मकान में सच्चे मन से प्रवेश करना चाहिए एवं शांतिपूर्वक जीवन बिताना चाहिए। इसलिए दोनों (पति-पत्नी) घर बनाते या लेते समय मन को साफ एवं स्वच्छ रखें एवं अपने इट देवता, कुलदेवता के साथ पितरों का आशीर्वाद लेकर गृह प्रवेश करना चाहिए। आपको घर हमेशा सुख समृद्धि देगा।

ए अक्षर वाले होते हैं प्रभावशाली

आपने कई बार ज्योतिशास्त्र और हस्तरेखा विज्ञान के बारे में पढ़ा-सुना होगा लेकिन क्या कभी आपने अपने नाम पर गौर किया है? कई प्रसिद्ध अभिनेताओं, लेखकों और संगीतकारों ने सफ्लता पाने के लिए अपना नाम बदला। हर व्यक्ति पर उसके नाम का भी प्रभाव जरूर पड़ता है क्योंकि हर अक्षर की अपनी ऊर्जा और उससे जुड़े गुण होते हैं।

आपका नाम किस अक्षर से शुरू होता है, इसका आपके स्वभाव और व्यक्तित्व के बारे में काफी कुछ पता चलता है। कुछ अक्षरों को प्रभावशाली माना जाता है जैसे- ए, जे, ओ और एस। आइए जानते हैं जिन लोगों का नाम एक से शुरू होता है, उनका स्वभाव और व्यक्तित्व कैसा होता है।

अंकज्योति में अक्षर ए को नंबर 1 से जोड़कर देखा जाता है। ये काफी प्रभावशाली शख्सियत के मालिक होते हैं। ये दूसरों के सामने अपने मनमुताबिक अपनी छवि गढ़ने में सक्षम होते हैं।

ए अक्षर सबसे प्रभावशाली अक्षर माना जाता है और अगर आपका नाम इसी अक्षर से शुरू होते है तो इसका मतलब है कि आप काफी दृढ़ और साहसी किस्म के व्यक्ति हैं। आपके अंदर आत्मविश्वास कूट-कूटकर भरा होता है और आप अपनी शर्तों पर जिंदगी जीना पसंद करते हैं।

ए अक्षर से नाम वाले लोग जिंदगी में हर जगह आगे रहने की इच्छा रखते हैं। ये बहुत ही महात्वाकांक्षी होते हैं और नेतृत्व करना इन्हें पसंद होता है। ए अक्षर कई बार एग्रेसिव, एडवेंचरस का भी प्रतीक होता है।

ए अक्षर नाम वाले लोग काफी इंटेलिजेंट, स्मार्ट होते हैं और इनका सेंस ऑफ ह्यूमर भी अच्छा होता है। आप व्यावहारिक सोच वाले व्यक्ति हैं, इसलिए आपके निर्णय अधिकतर सही साबित होते हैं।

ए अक्षर से नाम वाले कम रोमांटिक होते हैं। इन्हें सीरियस रिलेशनशिप पसंद होती हैं और ये जिस शख्स से प्यार करते हैं, उसे हमेशा खुश रखने की कोशिश करते हैं। आप अपने लिए जो भी लक्ष्य निर्धारित करते हैं, उसे पाकर रहते हैं। आप थोड़े से बेसब्र होते हैं और आपके अंदर धैर्य की थोड़ी सी कमी होती है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

डिहाइड्रेशन भी हो सकता है बालों के झड़ने का कारण, ये नुस्खे अपनाने से मिलेगी मदद

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। पानी की कमी यानि डिहाइड्रेशन होने पर कई परेशानियां खड़ी होती हैं। हालांकि, डिहाइड्रेशन को अब बालों के झड़ने की समस्या के साथ भी जोड़ा जाने लगा है। पानी की कमी होने पर बाल रूखे हो जाते हैं और उनमें ऑक्सीजन का संचार कम हो जाता है।

इस कारण बाल झड़ते हैं और पतले हो जाते हैं। आप ये टिप्स अपनाकर बालों की देखभाल कर सकते हैं।

पानी का सेवन बढ़ाएं

डिहाइड्रेशन की समस्या से निपटने का सबसे आसान तरीका है ढेर सारा पानी पीना। आपको रोजाना कम से कम 8 गिलास पानी पीना ही चाहिए।

हालांकि, आपकी उम्र, वजन और गतिविधियों के आधार पर आपकी पानी की जरूरत कम या ज्यादा भी हो सकती है।

अगर आप रोजाना एक्सरसाइज करते हैं तो आपको पानी के साथ-साथ नारियल पानी जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स युक्त पेय भी पीने चाहिए।

आप गर्मियों में इन आसान टिप्स के जरिए पानी का सेवन बढ़ा सकते हैं।

हाइड्रेटिंग खाद्य पदार्थ खाएं

बालों को अच्छी तरह हाइड्रेट करने के लिए केवल पानी पीना ही काफी नहीं होगा। इसके लिए आपको अपनी डाइट में हाइड्रेटिंग खाद्य पदार्थ भी शामिल करने होंगे।

तरबूज, खरबूजा, आम, लीची और संतरे जैसे पानी से भरपूर फलों को अपने खान-पान का हिस्सा जरूर बनाएं। इनके साथ-साथ खीरा, सलाद पत्ता और ककड़ी जैसी सब्जियों का सेवन भी बढ़ा लें।

साथ ही बालों को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर खाद्य पदार्थ भी खाएं।

नमी बढ़ाने वाले उत्पादों का करें इस्तेमाल

बालों को स्वस्थ रखने और उनके झड़ने की समस्या को कम करने के लिए उनकी सही तरह देखभाल करना बहुत जरूरी है।

अगर आप अच्छी गुणवत्ता वाले शैंपू, कंडीशनर और सीरम आदि इस्तेमाल करेंगे, तो भी आपके बाल हाइड्रेट हो जाएंगे।

बालों को हाइड्रेटेड रखने के लिए हयालूरोनिक एसिड, ग्लिसरीन और एलोवेरा जैसे तत्वों से लैस उत्पादों का उपयोग करें, जो नमी को बनाए रखते हैं और बालों का टूटना भी कम कर देते हैं।

हाइड्रेटिंग हेयर मास्क बनाकर लगाएं

आपको हफ्ते में एक बार अपने बालों पर एक हाइड्रेटिंग मास्क लगाना चाहिए, जो उन्हें गहराई तक पोषण देगा और उनका झड़ना भी कम करेगा।

शिया बटर, नारियल तेल और एलोवेरा जैसे तत्वों वाला हेयर मास्क बालों को नमी प्रदान करेगा। आप घर पर केले और नारियल तेल, एवोकाडो और दही या शिया बटर और एलोवेरा का मास्क बनाकर लगा सकते हैं।

आप केले से ये 5 हाइड्रेटिंग हेयर मास्क तैयार कर सकते हैं।

डिहाइड्रेट करने वाले पेय न पियें

गर्मी के मौसम में लोग प्यास बुझाने और ठंडक पाने के लिए कोल्ड ड्रिंक जैसे पेय पी लेते हैं। हालांकि, ये पेय शरीर को हाइड्रेट करने के बजाय डिहाइड्रेट करने का काम करते हैं।

आपको कॉफी, चाय, सोडा और कोल्ड ड्रिंक जैसे पेय नहीं पीने चाहिए, क्योंकि ये पानी की कमी का कारण बनते हैं। इनके सेवन से न केवल आप बीमार महसूस करेंगे, बल्कि आपके बाल भी झड़ने लग जाएंगे।

शब्द सामर्थ्य -81

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

1		2	■	3	4		5	■
	■		■	■		■	6	
■	7			■	■	■		■
8			■	9				■
10		■	■		■	■	■	11
	■	12			■	■	13	
14	15	■		■	16	17		
■		■	18				■	■
19				■		■	20	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 80 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	■
प	■	ति	■	■	र	क्ष	क	■
र	ह	मा	न	■	■	■	■	आ
वा	■	■	मि	थु	न	■	दा	स
ह	वा	ला	त	■	सी	ता	■	पा
■	न	■	■	■	ब	क	वा	स
औ	र	त	■	म	■	त	■	■
ला	■	बे	च	ना	■	व	च	न
द	ह	ला	■	ना	ग	र	■	दी

पवन कल्याण की ओजी 25 सितंबर 2025 को बड़े परदे पर रिलीज होगी!

पावर स्टार पवन कल्याण ने ओजी' की शूटिंग खत्म कर ली है और इसी के साथ इस मोस्ट अवेटेड एक्शन एंटरटेनर ने एक बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है! प्रोडक्शन हाउस डीवीवी एंटरटेनमेंट ने ये ज़बरदस्त अपडेट अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर शेयर किया, कैप्शन के साथ- गंभीरा के लिए पैकअपज् रिलीज़ के लिए तैयार हो जाइए। 25 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में मिलते हैं।

सुझीत के डायरेक्शन में बनी ओजी' एक हाई-वोल्टेज सिनेमा धमाका होने वाली है, जिसमें पावर स्टार पवन कल्याण निभा रहे हैं सबकी चर्चा में छाए किरदार गंभीर' की भूमिका! फिल्म में इमरान हाशमी, प्रियांका अरुल मोहन, प्रकाश राज और श्रिया रेड्डी जैसे दमदार सितारे भी अहम रोल्स में नज़र आएंगे, और म्यूज़िक का जादू रच रहे हैं जबरदस्त एस थमन! आरआरआर' जैसे ब्लॉकबस्टर देने वाले डीवीवी एंटरटेनमेंट के बैनर तले दानय्या गरु और कल्याण दासरी ने इसे प्रोड्यूस किया है! और कहा जा रहा है कि ये 2025 की सबसे बड़ी फिल्म बनने जा रही है!

फैंस और ट्रेड वाले पहले से ही बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ तूफान की भविष्यवाणी कर रहे हैं! पावर स्टार के हिस्से की शूटिंग पूरी हो चुकी है, और अब फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन के आखिरी फेज़ में है। तो तैयार हो जाइएज् 25 सितम्बर 2025 को ओजी' सिनेमाघरों में मचाएगी सुनामी।

27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही फिल्म निकिता रॉय

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा पिछली बार फिल्म काकुडा में नजर आई थीं। उनकी यह फिल्म 12 जुलाई, 2024 को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई थी, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। अब सोनाक्षी जल्द ही फिल्म निकिता रॉय के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करती हुई नजर आएंगी। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसके जरिए सोनाक्षी करीब 3 साल बाद बड़े पर्दे पर लौट रही हैं। अब निर्माताओं ने निकिता रॉय का ट्रेलर जारी कर दिया है। इस मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म का निर्देशन सोनाक्षी के भाई कुश सिन्हा कर रहे हैं।

सोनाक्षी के अलावा इस फिल्म में परेश रावल, सुहैल नय्यर और अर्जुन रामपाल जैसे कलाकार भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

सोनाक्षी ने ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, एक ऐसी दुनिया में आइए, जहां हकीकत धुंधली और अज्ञात हावी हो जाता है। रोमांच और दिमाग घुमा देने वाले रहस्य के लिए तैयार हो जाइए। निकिता रॉय को 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

फिल्म लोकाह-चैप्टर वन- चंद्रा का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी

मलयालम फिल्म उद्योग में एक नया युग शुरू होने वाला है। अभिनेता और निर्माता दुलकर सलमान ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म लोकाह-चैप्टर वन- चंद्रा' का पहला लुक पोस्टर जारी कर मलयालम सिनेमा के इतिहास में अपने आप को एक नई पहचान दिलाई है।

लोकाह एक ऐसे सिनेमाई ब्रह्मांड की शुरुआत है, जो पारंपरिक कथानकों और आधुनिक शैली को जोड़कर एक अनूठा सुपरहीरो यूनिवर्स पेश करेगा। इस प्रोजेक्ट के तहत मलयालम संस्कृति और पौराणिक कथाओं से प्रेरित कहानियां बड़े पर्दे पर जीवंत होंगी।

फर्स्ट लुक पोस्टर में कल्याणी प्रियदर्शन एक नए अवतार में दिखाई दे रही हैं एक ऐसी सुपरहीरो जो न केवल शक्तिशाली है, बल्कि अपने किरदार में गहराई और जटिलता लिए हुए है। उनके साथ नैसलेन भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में हैं, जो फिल्म की भावनात्मक और क्रिया-प्रधान कहानी का हिस्सा हैं।

दुलकर सलमान ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी वेफेयरर फिल्म्स के तहत लोकाह को निर्मित किया है, जो उनकी अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म मानी जा रही है। इस फिल्म के जरिए वे न केवल एक नई शैली का परिचय दे रहे हैं, बल्कि मलयालम सिनेमा को विश्व स्तर पर एक नई पहचान दिलाने की दिशा में भी कदम बढ़ा रहे हैं।

दुलकर का यह प्रयास साबित करता है कि भारतीय सिनेमा के क्षेत्र में क्षेत्रीय भाषाओं का भी अपनी विशिष्ट जगह है, और वे अपनी सांस्कृतिक धरोहर को बड़े परदे पर नए अंदाज में पेश करने के लिए तैयार हैं।

अब खुद को अनुराग बसु की हीरोइन कह सकती हूं : सारा अली खान

फिल्म अभिनेत्री सारा अली खान के लिए यह एक सपना सच होने जैसा है। दरअसल, अभिनेत्री फिल्म निर्माता अनुराग बसु और 2007 की फिल्म लाइफ इन ए मेट्रो की प्रशंसक रही हैं। सारा ने कहा कि दूसरी फिल्म में काम करने के बाद अब वह खुद को अनुराग बसु की हीरोइन कह सकती हैं।

सारा ने इंस्टाग्राम पर मेट्रो.इन दिनो के ट्रेलर लॉन्च का एक वीडियो शेयर किया। इसमें आगामी फिल्म के ट्रेलर की कुछ झलकियां भी दिखाई गई। फिल्म 4 जुलाई को रिलीज होने वाली है।

कैप्शन में सारा ने लिखा, मेट्रो देखने और उसे पसंद करने से लेकर अब इसमें काम करने तक। सपने सच होते हैं। मैं अनुराग बसु की प्रशंसक रही हूं- अब मैं कह सकती हूँ कि मैं भी अनुराग बसु की हीरोइन हूं।

म्यूजिकल फिल्म का ट्रेलर 4 जून को जारी किया गया था और इसमें चार अलग-अलग उम्र के जोड़ों की दिलचस्प कहानी दिखाई गई थी। ट्रेलर के अनुसार, फिल्म का कथानक काफी हद तक अपनी पिछली फिल्म जैसा ही है। इसमें 4 जोड़ों की जिंदगी को दिखाया गया है और दिखाया गया है कि वे किस तरह से जीवन में आने वाले उतार-चढ़ावों का सामना करते हैं।

फिल्म में अनुपम खेर, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, फातिमा सना शेख, अली फजल और नीना गुप्ता हैं।

अनुराग बसु, संगीत के दिग्गज प्रीतम, टी-सीरीज के निर्माता भूषण कुमार और शाश्वत सिंह, पापोन और राघव चैतन्य जैसे गायकों की उपस्थिति में फिल्म का पहला गाना जमाना लागे जारी किया गया था।

गुलशन कुमार और टी-सीरीज द्वारा प्रस्तुत, अनुराग बसु प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से, मेट्रो इन दिनो' का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु और तानी बसु द्वारा किया गया है।

यह फिल्म 4 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में आने वाली है। सारा को आखिरी बार एक्शन ड्रामा फिल्म स्काई फोर्स में देखा गया था, जो 1965 के भारत-पाकिस्तान हवाई युद्ध में पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस पर भारत के पहले हवाई हमले के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में अक्षय कुमार, वीर पहाड़िया और निमरत कौर भी हैं।

गोल्डन स्ट्रैपलेस गाउन में सोफी चौधरी ने बिखेरा जलवा

सिंगर और परफॉर्मर सोफी चौधरी ने हाल ही में सबसे स्टाइलिश स्टेज सनसनी का खिताब अपने नाम किया है और इस खास मौके पर उनका ग्लैमरस लुक सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। सोफी ने गोल्डन स्ट्रैपलेस बॉडीकॉन गाउन में अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं जिनमें वह बेहद हसीन और कॉन्फिडेंट नजर आ रही हैं। पोस्ट में सोफी ने अपने एक्सपीरियंस को शेयर करते हुए लिखा कि वह यह अवॉर्ड पाकर बेहद सम्मानित महसूस कर रही हैं, खासतौर पर उस वक्त जब वह वही कर रही थीं जो उन्हें सबसे ज्यादा पसंद है। उन्होंने लिखा, टाइगर और प्यारी राशा के साथ डांस करने से लेकर अक्षय कुमार के साथ मस्ती करने तक।।।क्या रात थी!! साथ ही उन्होंने अपारशक्ति खुराना और बॉलीवुड हंगामा को शुक्रिया कहा।

गोल्डन आउटफिट, स्टेटमेंट ईयरिंग्स और सॉफ्ट वेवी हेयर के साथ सोफी का ये लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है। उनके इस बोल्ड और स्टनिंग अवतार पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। मलाइका अरोड़ा ने भी हार्ट इमोजी के साथ सोफी की तारीफ की है।

सोफी चौधरी का यह अंदाज़ यह बताने के लिए काफी है कि वह सिर्फ एक बेहतरीन परफॉर्मर ही नहीं, बल्कि फैशन की दुनिया की स्टाइल आइकन भी हैं। बीएच स्टाइल आइकन 2025 में उनका यह लुक और अवॉर्ड दोनों ही चर्चा में हैं।

बरसात की ऐसी झड़ी लगी, जैसे सावन हो

पंकज चतुर्वेदी

कहते हैं जब जेठ तपता है तो आषाढ़ बरसता है और सावन-भादों में झड़ी लगती है। इस साल जब नौतपा में भारत वर्ष को खूब गरम होना था, बरसात की ऐसी झड़ी लगी, जैसे सावन हो।

मौसम वैज्ञानिक विचार करते रहे कि यह मानसून-पूर्व बरसात है, लेकिन चुपके से कर्नाटक, महाराष्ट्र और केरल में मानसून की बदलियां जल्दी ही धमक गई। हमारे देश का अर्थ-तंत्र और सामाजिक तानाबाना मानसून पर निर्भर है। इस तरह जल्दी बरसात ने भले ही ताप के प्रभाव को कम कर दिया हो, लेकिन यदि जलवायु परिवर्तन के कारण इस तरह मानसून अनियमित होता रहा तो देश के समीकरण गड़बड़ा जाएंगे।

इस साल केरल में मानसून 24 मई, 2025 को आ गया, जबकि सामान्य आगमन तिथि 1 जून है उससे 8 दिन पहले। मुंबई और कर्नाटक में भी मानसून समय से काफी पहले आ गया है। मुंबई में मानसून की सामान्य आगमन तिथि 11 जून है, जबकि आ गया 26 मई को। कर्नाटक में 1-5 जून की सामान्य तिथि की तुलना में बादलों का डेरा 26 मई को आ गया। जलवायु परिवर्तन का गहरा असर भारत में अब दिखने लगा है, इसके साथ ही ठंड के दिनों में अलनीनो' और दीगर मौसम में ला नीना' का असर हमारे मानसून-तंत्र को प्रभावित कर रहा है। इस साल बहुत पहले और भयंकर बरसात का प्रमुख कारण समुद्री सतह के तापमान स्स्ज्ञ) में वृद्धि माना जा रहा है।

अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में समुद्री सतह का तापमान सामान्य से अधिक हो जाने से मानसून जल्दी शुरू हो सकता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण महासागरों का तापमान बढ़ रहा है, जिससे वायुमंडल में नमी बढ़ती है और बादल जल्दी बनते हैं। जैसे-जैसे पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ता है, वातावरण में नमी की मात्रा भी बढ़ती है। अनुमान है कि प्रति डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने पर वातावरण में 6 से 8त्न नमी बढ़ जाती है। यह बढ़ी हुई नमी मानसून की हवाओं को तेजी से सक्रिय कर सकती है। चूंकि तापमान बढ़ने के चलते यूरेशिया और हिमालय में बर्फ का कम होना और तेजी से पिघलने ने भी जल्दी बरसात को बुलाया दिया है।

बर्फ की कमी से जमीन जल्दी गर्म हो जाती है, जिससे कम दबाव का क्षेत्र मजबूत होता है, जो मानसूनी हवाओं को अपनी ओर खींचता है और मानसून को जल्दी ला सकता है। जल्दी मानसून के कुछ चूंकि कारक भी हैं। अल नीनो की तरह इनमें से एक मैडेन-जूलियन ऑसिलेशन हिन्द महासागर में बादलों और बारिश को प्रभावित करने वाली एक चूंकि मौसमी घटना है। इसके अनुकूल चरण (चरण-3 और चरण-4 की शुरु आती गतिविधि) मानसूनी हवाओं के लिए अनुकूल परिस्थितियां बना सकते हैं और मानसून को जल्दी ला सकते हैं। एक अन्य कारण चूंकि कारक सोमाली जेट है। मॉरीशस और मेडागास्कर के पास से निकलने वाली एक प्रमुख निम्न-स्तरीय पवन धारा-मई 2025 में तीव्र हो गई। यह जेट अरब सागर के पार केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र सहित भारत के पश्चिमी तट पर नमी से भरी हवा पहुंचाता है।

इस साल इसकी असामान्य ताकत मानवजनित प्रभावों के कारण प्रतीत होती है। इंडियन ओशन डायपोल का पॉजिटिव होना भी एक बड़ा कारण है। यह अरब सागर में नमी के जमाव को बढ़ाता है, जिससे मानसूनी हवाएं तेज होती हैं और मानसून के जल्दी आने का कारण भी बन सकता है। अब जल्दी बरसात आने से माहनगरों की तैयारी अधूरी रही और चेन्नई, मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली जैसे शहर डूब गए, लेकिन सबसे बड़ा संकट तो किसान का है। किसानी आज भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। किसानों को अक्सर मानसून के एक निश्चित समय पर आने की उम्मीद होती है। यदि यह जल्दी आ जाता है, तो वे खेत तैयार करने, बुवाई करने या सही फसल का चुनाव करने के लिए तैयार नहीं हो सकते हैं।

यदि बुवाई के बाद अचानक भारी बारिश होती है, तो कोमल पौधे (अंकुरित फसल) नष्ट हो सकते हैं या मिट्टी की ऊपरी परत कठोर हो सकती है, जिससे पौधों के बढ़ने में बाधा आती है। अगर कोई फसल पहले से ही पक चुकी है या कटाई के करीब है और मानसून जल्दी आ जाता है, तो भारी बारिश से फसलें खराब हो सकती हैं, उनमें फंगस लग सकता है या वे खेत में ही सड़ सकती हैं। कुछ फसल को एक निश्चित शुष्क अवधि की आवश्यकता होती है, और जल्दी मानसून से उनका सामान्य फसल चक्र बाधित हो सकता है।

महाराष्ट्र के विभिन्न इलाकों में पिछले कुछ दिनों से जारी बारिश ने बड़े पैमाने पर फसलों को प्रभावित किया है। राज्य में समय से पहले मानसून के सक्रिय होने से किसानों की चिंताएं और बढ़ गई है। आम, अनार, नींबू जैसी बागवानी फसलों के साथ साथ बाजरा, मक्का की फसल भी प्रभावित हुई है। बारिश की सबसे ज्यादा मार प्याज किसानों पर पड़ी है। इसके अलावा सोयाबीन और उड़द एवं मूंग जैसी फसलों के प्रभावित होने की भी आशंका जताई जा रही है। मई महीने में हो रही बारिश के कारण 29,483 हेक्टेयर फसल, खासतौर पर आम, अनार, संतरा, मीठा नींबू और सब्जियों जैसी बागवानी फसल को नुकसान पहुंचा है। नासिक में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। भारी बारिश के कारण बागवानी के आलावा बाजरा, मक्का, जैसी फसल को भी नुकसान पहुंचा है। किसानों को इस बारिश ने परेशान कर दिया है, खासकर मराठवाड़ा और विदर्भ के ऐसे किसान जो आगामी खरीफ सीजन के लिए अपने खेतों को तैयार करने में जुटे थे। किसानों के मुताबिक सोयाबीन के लिए जुताई और कतार बनाने के मामले में खेत की तैयारी अभी पूरी नहीं हुई है।

बारिश ने काम रोक दिया है। बुवाई का काम खेत में पर्याप्त नमी होने के बाद भी शुरू होता है। मूंग और उड़द जैसी फसलों के लिए बुवाई का समय कम होता है, जबकि कपास और सोयाबीन जैसी फसल के लिए यह समय लंबा होता है। किसानों को चिंता है कि कहीं यह बारिश बुवाई के दौरान मुश्किल न बन जाए। सामान्य मानसून से किसी भी प्रकार का विचलन, चाहे वह जल्दी हो या देर से, दूरगामी परिणाम पैदा कर सकता है, जिसका असर कृषि, ग्रामीण आजीविका, समग्र अर्थव्यवस्था और यहां तक कि सामाजिक स्थिरता पर भी पड़ सकता है। जल्दी मानसून का आना मौसम के पैटर्न में एक व्यवधान का संकेत हो सकता है, जो कृषि से लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे तक कई क्षेत्रों में अनपेक्षित और नकारात्मक परिणाम पैदा कर सकता है।

(लेख में विचार निजी है)

सू- दोकू क्र.81

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.80 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

ममता के राह में कांटे

पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव हैं। भारतीय जनता पार्टी ने युद्ध स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता से सीधे ममता बनर्जी को निशाने पर लेकर जबरदस्त अभियान की रूपरेखा खींच दी है।

इससे संकेत मिलता है कि चुनाव तक आरोपों की धार पिछले चुनाव से भी तीखी हो जाने वाली है। ममता पर राज्य को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, स्त्रियों और हिन्दुओं पर अत्याचार और दुराचार का केंद्र बना देने का आरोप लगाकर गृह मंत्री अमित शाह ने विजय संकल्प कार्यकर्ता सम्मेलन में कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाया।

उन्होंने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर राज्य में भ्रष्टाचार, ड्क्षहसा और घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उनके अनुसार दशकों तक हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व करने वाले बंगाल में ममता दीदी ने आकर इस भूमि को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, अपराध और हिन्दुओं पर अत्याचार का केंद्र बना दिया।

शाह ने कार्यकर्ताओं को जोश दिलाते हुए याद दिलाया कि यह वंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की भूमि है। ज्ञान, धर्म, स्वतंत्रता संग्राम समेत हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व करने वाले बंगाल में मां, माटी, मानुष' का नारा देकर सत्ता में आने वाली ममता बनर्जी ने बंग भूमि को अपराध, बम धमाकों और हिन्दुओं पर अत्याचार का केंद्र बनाकर रख दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान और तृणमूल कांग्रेस के चुनाव जीतने के बाद भाजपा के अनेक कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। बंगाल में ड्क्षहसा आज भी जारी है। दीदी आपका समय पूरा हो गया है और 2026 में पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

हिम्मत हो तो बिना ड्क्षहसा के चुनाव कराकर देखिए, आपकी जमानत जब्त हो जाएगी। उन्होंने ममता बनर्जी पर ऑपरेशन सिंदूर' का विरोध कर महिलाओं की भावनाओं से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया और राज्य की महिलाओं से चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को सिंदूर की कीमत समझा देने की अपील की। गृहमंत्री का संबोधन पूरी तरह चुनावी था। छन्होंने हर उस बिंदु को छुआ को मतदाता को रास आता है। उनके संबोधन से चुनावी लड़ाई के तीखेपन का संकेत मिलता है।

हालांकि वह जानते हैं मुकाबला कितना कड़ा है। राज्य में पिछले चुनावों का भाजपा का अनुभव सुखद नहीं रहा है। 2011 से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठी ममता भाजपा के आरोपों की काट करने के लिए क्या रणनीति अपनाएंगी यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन इस बार उनकी भी राह में कांटे जरूर बिछे हैं।

राजकुमार राव संग रोमांस करती दिखीं भारत की छठी मिस वर्ल्ड

राजकुमार राव अब गैंगस्टर के रोल में नजर आने वाले हैं। एक्टर फिल्म मालिक में नजर आएंगे, जिसका बीती 3 जून को टीजर रिलीज हुआ है। अब फिल्म मालिक से इसका पहला गाना नामुमकिन रिलीज हो गया है। इसी के साथ फिल्म में भारत की छठी मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर की एंट्री हो गई है। गाने में दोनों की केमिस्ट्री बेहद खूबसूरत दिख रही है। इससे पहले टीजर में राजकुमार राव ने गैंगस्टर स्टाइल में भी अपने अभिनय से चौंकाने वाला काम किया था। मालिक का टीजर अपने डायलॉग से भी हिट होने वाला है। बता दें, बीते साल 31 अगस्त को एक्टर ने फिल्म का एलान किया था।

सॉन्ग नामुमकिन को वरुण जैन, श्रेया घोषाल, सचिन-जिगर ने मिलकर गाया है। गाने के बोल अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। गाने के सचिन जिगर ने म्यूजिक दिया है। इससे पहले 1।21 मिनट के मालिक के टीजर में मार-काट देखने को मिली थी। सफेद कपड़ों में हाथ में फावड़ा लिए उठते नजर आ रहे राजकुमार के अंदर मालिक बनने का खून सवार है और वह अपने दुश्मनों को लहुलूहान कर पैक कर रहे हैं। टीजर में राजकुमार का डायलॉग मालिक पैदा नहीं हुए तो क्या बन तो सकते हैं रोंगटे खड़े करने वाला सीन है।

राजकुमार राव ने 31 अगस्त 2024 को अपने बर्थडे पर मालिक का खुलासा अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कर फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी थी। वहीं, फिल्म से एक्टर का एक धांसू फर्स्ट लुक पोस्टर भी रिलीज हुआ था, जिसमें एक्टर हाथ में गन लिए एक जीप पर खड़े थे। फर्स्ट लुक में राजकुमार राव एक गैंगस्टर के लुक में दिख रहे थे। फिल्म से अपना फर्स्ट लुक और इसके टाइटल का खुलासा कर राजकुमार ने लिखा था, मालिक की दुनिया में आपका स्वागत है, शूटिंग शुरू हो गई है, जल्द ही मुलाकात होगी। पोस्टर की बात करें तो इसकी टैग लाइन में लिखा था। मालिक पैदा नहीं हुए तो क्या, बन तो सकते हैं।

फिल्म मालिक टिप्स फिल्म प्रोडक्शंस कुमार तौरानी, जय सेवकरमानी प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं, फिल्म के डायरेक्टर पुलकित हैं। फिल्म मालिक 11 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

हल्द्वानी पहुंचे उप राष्ट्रपति, राज्यपाल ने किया स्वागत

हमारे संवाददाता

नैनीताल। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ तीन दिवसीय आधिकारिक भ्रमण पर उत्तराखंड पहुंचे। उनका स्वागत हल्द्वानी आर्मी हेलीपैड पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने किया।

उपराष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद की गई है। साथ ही यातायात को भी डायवर्ट किया गया है। पुलिस-प्रशासन के उच्चाधिकारी व्यवस्थाओं पर नजरें बनाए हुए है। इस बात का विशेष ध्यान रखा जा रहा है कि उपराष्ट्रपति की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक न होने पाए। इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या, सांसद अजय भट्ट, मेयर हल्द्वानी गजराज बिष्ट, वन एवं पर्यावरण सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष दीपक महरा, मुख्य सचिव के प्रतिनिधि आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत, आईजी रिद्धिम अग्रवाल, जिलाधिकारी वंदना, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रहलाद नारायण मीणा, कर्नल जतिन ढील्लन एवं स्टेशन कमांडर हल्द्वानी समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

यमुनोत्री पैदल मार्ग पर तीर्थ यात्रियों के लिए आवगमन हुआ सुचारु

उत्तरकाशी (सं)। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर भैरो मंदिर के पास से पत्थरों को हटाकर मार्ग को तीर्थ यात्रियों के लिए सुचारू किया। आज यहां यमुनोत्री पैदल मार्ग पर भैरो मन्दिर, नौ कैंची के पास लैंडस्लाइड स्थल पर आए मलवा व पत्थरों को हटाकर मार्ग को तीर्थ यात्रियों के आवगमन हेतु सुचारु कर दिया गया है। श्रद्धालुओं को जानकीचट्टी से धीरे-धीरे यमुनोत्री धाम के लिये भेजा जा रहा है। यमुनोत्री से वापस जानकीचट्टी हेतु वैक्लपिक मार्ग को तैयार किया गया है। सभी श्रद्धालु पुलिस-प्रशासन द्वारा दी जा रही गाइडलाइन का पालन कर यात्रा व्यवस्था बनाने में सहयोग करें।

सीओ और एसडीएम ने लिया कांवड़ मेला यात्रा मार्ग का किया निरीक्षण

संवाददाता

टिहरी। आगामी कावड मेला के दृष्टिगत सीओ व एसडीएम नरेन्द्र नगर ने यात्रा मार्गो, पार्किंग आदि स्थलों का भौतिक व स्थलीय निरीक्षण किया। आज यहां आगामी कावड़ मेला- 2025 के दृष्टिगत उप जिलाधिकारी नरेंद्र नगर, क्षेत्राधि कारी नरेंद्र नगर , तहसीलदार नरेंद्र नगर तथा प्रभारी निरीक्षक मुनि की रेती द्वारा कावड़ मेला यात्रा मार्गों, पार्किंग आदि स्थलों का भौतिक व स्थलीय निरीक्षण किया गया। पुलिस के द्वारा आगामी कावड़ यात्रा के दृष्टिगत उपजिलाधिकारी नरेंद्रनगर को संबंधित विभागों से यात्रा मार्गो को ठीक करने, पार्किंग स्थलों की मरम्मत तथा पुलिस बल के ड्यूटी स्थान को सुव्यस्थित किए जाने के संबंध में अवगत कराया गया। क्षेत्राधिकारी नरेंद्रनगर ने पुलिस बल को आगामी कांवड़ मेला के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार रहने को कहा और अपना आचरण उच्चकोटी का रखने हेतु बताया।

उपराष्ट्रपति के जनपद नैनीताल भ्रमण के अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक कुमांऊ परिक्षेत्र, रिद्धिम अग्रवाल द्वारा उनके आगमन पर हार्दिक स्वागत एंव अभिनंदन किया गया।

चाइल्ड लेबर के लिए करें प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित : दीक्षित

संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने निर्देश देते हुए कहा कि स्ट्रीट चिल्ड्रन का नियमानुसार चिन्हांकन किया जाए, तथा चाइल्ड लेबर के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाए।

आज यहां राष्ट्रीय बाल अधिकार सरंक्षण आयोग द्वारा पैन इंडिया रेस्क्यू रहे बिलिटेशन कैंपेन के संबंध में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में देर सांय जिला कार्यालय सभागार में बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने निर्देश देते हुए कहा कि स्ट्रीट चिल्ड्रन का नियमानुसार चिन्हांकन किया जाए, तथा चाइल्ड लेबर के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाए। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि कहा कि विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए तथा बच्चों के लगातार स्कूल न पहुंचने पर बच्चे को ट्रैक किया जाए ताकि बच्चों को बाल श्रम से बचाया जा सके, बाल श्रम व भीख मांगने वाले सभी चिन्हित बच्चों की ट्रैकिंग की जाए, सभी बच्चों को शिक्षा से जोड़ा जाए।

उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि बाल श्रम, भिक्षावृत्ति न हो और बाल श्रम एवं भिक्षावृत्ति करते हुए पाए जाने पर तुरंत नियमानुसार रेस्क्यू किया जाए, तथा बच्चों को स्कूल में प्रवेश दिलाकर शिक्षा से जोड़ा जाएं। जिलाधिकारी ने बाल श्रम जिला कार्यबल एवं बाल श्रम बचाव दल को सख्ती से छापामारी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में एक भी बाल विवाह न हो, बाल विवाह से संबंधित सूचना पर तत्काल कार्यवाही अमल में लाई जाए।

बैठक में सचिल डीएलसीए सिमरनजीत कौर ने कहा कि कारखाने से सर्टिफिकेट लिए जाए कि हमारा यहां कोई चाइल्ड लेबर कार्यरत नहीं है तथा 14 से 18 वर्ष के किशोरों को वयस्क की भांति वेतन मिले, 6 घंटे से अधिक काम न कराया जाए। गैर सुरक्षित कामों में किशोरों से कार्य न कराया जाए, चिह्नित गैर सुरक्षित कार्य कराने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जाए।

इस दौरान सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिमरनजीत कौर, अपर जिलाधिकारी पी आर चौहान, मुख्य चिकित्सा अधिकारी आरके सिंह, स्टेट कोऑर्डिनेटर उत्तराखंड गजेंद्र नौटियाल, सीओ एसपी बडोनी, डीपीओ अविनाश सिंह भदोरिया, श्रम प्रवर्तन अधिकारी अनिल पुरोहित, एसएनए नगर निगम ऋषभ उनियाल आदि अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बस्ती बचाओ आन्दोलन का शिष्टमण्डल महापौर से मिला

संवाददाता

देहरादून। बस्ती बचाओ आन्दोलन के शिष्टमंडल ने महापौर सौरभ थपलियाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंप कर अपनी मांगों से अवगत कराया।

आज यहां बस्ती बचाओ आन्दोलन के शिष्टमण्डल ने आज महापौर सौरभ थपलियाल से भेंटकर उन्हें मांगों का ज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि हाल ही में नगरनिगम देहरादून के भूमि अनुभाग द्वारा माननीय हाईकोर्ट के आदेशों का जिक्र रिस्पना-बिन्दाल के गरीब परिवारों को नोटिस भेजा गया जिन पर पर वर्तमान में सुनवाई चल रही है स दूसरी प्रभावशाली कब्जाधारियों एवं सरकारी कब्जों पर कोई भी कार्यवाही नहीं हो रही है। मलिन एवं कच्ची बस्तियों में सफाई व्यवस्था का वर्तमान में मुख्य समस्याओं में से एक जिसपर जनहित में कार्यवाही किया जाना जरूर है। सभी नोटिसधारियों को सुनवाई एवं अपने पक्ष रखने का मौका दिया जाये, हरेक मामले पर सहानभूतिपूर्ण विचार करते हुऐ किसी को भी बेघरबार न किया जाये। स्थानीय निकाय चुनाव में गरीब बस्तियों में मालिकाना हक का वायदा किया गया जिसे पूरा किया जाना जनहित में जरूरी है। मलिनबस्तियों में सफाई, फौगिंग, ब्लीचिंग तथा स्वास्थ्य शिविर की व्यवस्था की जाये। महापौर ने बस्ती बचाओ आन्दोलन द्वारा उठाई गई मांगों पर सहानुभूतिपूर्ण कार्यवाही का आश्वासन दिया तथा नगर आयुक्त को आवश्यक कार्यवाही के दिशानिर्देश दिये।

बिना पुनर्वास के एक भी मलिन बस्ती को उजड़ने नहीं देंगे: धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि बिना पुनर्वास के एक भी मलिन बस्ती को उजडने नहीं दिया जायेगा।

आज यहां सैकड़ों की संख्या में धर्मपुर विधानसभा की लोहिया नगर,ब्रह्मपुरी,देहरखास की बस्तियों से मलिन बस्ती के लोग घबराए हुए नगर निगम में टैक्स विभाग पहुंचे अपने कागजों की तज्दीक करवाने उनके साथ पहुंचे। ब्राह्मणवाला के पार्षद मुकीम अहमद ने प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना से आग्रह किया कि वे नगर निगम पहुंच कर अपनी झोपडी मकान टूटनें के डर से घबराए हुए लोगों की बात सुनें।

धस्माना दोपहर बारह बजे नगर निगम में टैक्स विभाग के सभागार में पहुंचे जहां टैक्स अधीक्षक धर्मेश पैन्यूली की अध्यक्षता में पानी, बिजली, डीएसओ, इलेक्शन कमीशन के कर्मचारियों द्वारा बस्ती वासियों द्वारा अपने कागज सत्यापित करवाए जा रहे थे।

धस्माना ने पैन्यूली से पूरी कार्यवाही की जानकारी ली व बस्तीवासियों को अपने कागजात दिखाने के लिए पर्याप्त अवसर व समय देने के लिए कहा व सभी उपस्थित बस्तीवासियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए भी कहा। नगर निगम के कर अधीक्षक धर्मेश पैन्यूली ने धस्माना को कहा कि हर बस्ती वासी को अपने कागज दिखने का पर्याप्त समय व अवसर दिया जाएगा। धस्माना ने बस्तीवासियों को आश्वस्त किया कि एलिवेटेड रोड के नाम पर वे बस्तियों को उजड़ने नहीं देंगे और आवश्यकता पड़ने पर वे पहले की तरह सड़कों पर उतर कर सरकार को बस्तियों के खिलाफ कार्यवाही रोकने पर मजबूर करेंगे।

धस्माना ने मलिन बस्ती वालों को भरोसा दिलाया कि वे उनको बेघर नहीं होने देंगे। इस अवसर पर संत राम, विजय, शादाब, अब्दुल कदीर संजय, राजकुमार समेत सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

जल्द आहुत होगा मानसून सत्र

विशेष संवाददाता

देहरादून। सचिवालय में आयोजित हुई कैबिनेट की बैठक में आज मानसून सत्र के आयोजन को मंजूरी सहित 4 अहम फैसले लिए गए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में यह बैठक लगभग 2 घंटे चली।

आज की कैबिनेट बैठक में जो सबसे अहम फैसला लिया गया वह मानसून सत्र के आयोजन को लेकर किया गया है। हालांकि अभी यह तय नहीं हो सका है कि मानसून सत्र कहां आयोजित होगा तथा कब से कब तक चलेगा। कैबिनेट की बैठक में सत्र का स्थान और समय तय करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को अधिकृत कर दिया गया है। सूत्रों से

❑मानसून सत्र की तारीख समय सीएम तय करेंगे
❑विशेष शिक्षा, शिक्षक सेवा नियमावली 2025 को मंजूरी

मिली जानकारी के अनुसार सरकार गैरसैंण में मानसून सत्र का आयोजन कर सकती है तथा यह जुलाई में किया जा सकता है।

इसके अलावा एक अन्य महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए कैबिनेट द्वारा उत्तराखंड विशेष शिक्षा, शिक्षक सेवा नियमावली 2025 पर अपनी सहमति की मोहर लगा दी गई है। उल्लेखनीय है कि नैनीताल हाई कोर्ट द्वारा 7 मार्च 2025 को शिक्षकों की भर्ती का आदेश दिया गया था जिसके बाद शासन ने 20 मार्च 2025 को 135 शिक्षकों के पद सृजित किए गए थे। इन 135 विशेष शिक्षा शिक्षकों के पदों पर भर्ती के लिए नियमावली में संशोधन किया गया था जिसे आज कैबिनेट द्वारा अपनी मंजूरी दे दी गई है। इसके अलावा आज की कैबिनेट बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) तृतीय चरण के शुरू होने की दशा में इस कार्यक्रम को लागू करने के लिए पंचायती विभाग को अधिकृत करने के प्रस्ताव पर कैबिनेट ने अपनी मंजूरी दे दी है। इसके अलावा ओबीसी आरक्षण पर एकल सदस्य समिति के सुझाव प्रस्तुत करने के लिए गठित मंत्रिमंडलीय उप समिति और संस्तुतियों को मंत्रिमंडल के सम्मुख रखा गया जिन्हें मंजूरी दे दी गई।

कोरोनेशन ओटोमेटेड पार्किंग तैयार

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल की शहर में आटोमेटेड मैकेनिकल पार्किंग योजना जल्द जनमानस को समर्पित होने जा रही है, जिसका मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड सरकार द्वारा शीघ्र ही लोकार्पण किया जाएगा।

शुरूआती चरण में यह जिला चिकित्सालय कोरोनेशन की स्टॉफ पार्किंग, तिब्बती मार्केट, परेडग्राउंड में तैयार की गई हैं। कोरोनेशन में पार्किंग संचालन के लिए तकनीकि आपरेटर भी दे दिया गया है, जो पार्किंग को आपरेट कर रहा है। इन पार्किंग के तैयार होने से जहां जनमानस को वाहन पार्क करने की सुविधा मिलेगी वहीं शहर को जाम से भी निजात मिलेगा।

परेडग्राउड पार्किंग क्षमता 96 वाहन, तिब्बती मार्केट 132 वाहन तथा कोरोनेशन 18 वाहन क्षमता की पार्किंग है। यह पार्किंग बहुत छोटे स्थान पर बनाई जा सकती है, तथा इन्हे अनयंत्र स्थलों पर स्थानान्तरित भी किया जा सकता है। जिला प्रशासन डीएम की अगुवाई में मुख्यमंत्री के आधुनिक सुविधायुक्त उत्तराखण्ड के विजन को मूर्तरूप देने में जुटा है।

इसी क्रम में कोरोनेशन ओटोमेटेड पार्किंग तैयार कर चिकित्सालय को

❑पार्किंग में स्वतः ही सहजता से पार्क होने लगे डॉक्टरर्स, नर्सेस के वाहन

हैंडओवर कर दी गई पार्किंग में डॉक्टर्स एवं नर्सेस के वाहन स्वत: ही सहजता से पार्क होने लग गए हैं। साथ तिब्बती मार्केट, परेडग्राउंड आटोमेटेड पार्किंग भी तैयार हो गई है, इन तीनों पार्किंग को मुख्यमंत्री जल्द लोकार्पण कर जनमानस को समर्पित करेंगे।

ओटोमेटेड पार्किंग आपरेटिंग के लिए 02 कुशल तकनीकि आपरेटर की तैनाती कर दी गई है तथा जिला योजना से बीमा कवर दिया जाएगा। कोरोनेशन में स्टॉफ के लिए आटोमेटेड पार्किंग बनने से मरीजों-तीमारदारों की पार्किंग में इजाफा हो गया है। तथा भू- पार्किंग पर अतिरिक्त वाहन पार्क की जगह भी मिल गई है। जिला प्रशासन का आईडिया आटोमेटेड मेकेनिकल पार्किंग; शहर को जाम से निजात दिलाने की सुखद कारगर प्रयास है। इस तरह की पार्किंग से शहर को जाम से निजात मिलेगा।

डीएम का यह प्रयोग शहर में यातायात व्यवस्था में कारगर सिद्ध रहेगा तथा अन्य स्थानों पर भी इस तरह की पार्किंग निर्माण की संभावना की ओर एक सफल कदम के तौर पर देखा जा रहा है। शहर में इस प्रकार की छोटी पार्किंग से जहां शहर में जनमानस को पार्किंग की सुविध ा मिलेगी वहीं शहर में यातायात दबाव भी कम होगा।

बारिश से 'स्मार्ट सिटी' की सड़कों पर जलभराव

हमारे संवाददाता

देहरादून। बरसात का मौसम शुरू होते ही स्मार्ट सिटी राजधानी देहरादून की सड़कों पर जल भराव शुरू हो गया है, जिससे दूनवासी परेशान होने लगे है। हांलाकि मानसूनी सीजन शुरू होने से पूर्व आलाधिकारियों ने खासे दावे किये गये थे लेकिन उनके इन दावों की हवा अब बरसाती मौसम में निकलते दिखायी दे रही है।

यूं तो राजधानी देहरादून को स्मार्ट सिटी का दर्जा मिला हुआ है। लेकिन इस स्मार्ट सिटी का हाल एक बरसात होते ही दिखायी देने लगता है। जब सड़कों पर गढ्ढे ही नहीं जल भराव भी शुरू हो जाता है। जिसके कारण लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। हालांकि बरसाती सीजन शुरू होने से पूर्व अधिकारियों द्वारा खासे दावे किये जाते है। लेकिन इन दावों की पोल एक बरसात में ही सामने आ जाती है।

ऐसा ही एक नजारा आज रायपुर रोड स्थित सहस्त्रधारा क्रांसिंग में सामने आया है। यहां बरसात होने के चलते सड़क पर जल भराव हो गया। जिसके कारण दुपहिया वाहन व पैदल चलने वाले लोगों को वहां से निकलने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ी। देखना होगा कि दून प्रशासन के आलाधिकारी इसका कब तक संज्ञान लेते है।

बंशीधर तिवारी को अपर सचिव मुख्यमंत्री का अतिरिक्त प्रभार

संवाददाता

देहरादून। अपर सचिव सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी को अपन सचिव मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड शासन का अतिरिक्त प्रभार प्रदान किया गया।

आज यहां संयुक्त सचिव राजेन्द्र सिंह पयिाल ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन द्वारा कार्यहित में बंशीधर तिवारी को वर्तमान पदभारों के साथ-साथ अपर सचिव मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड शासन का अतिरिक्त प्रभार प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है।

उन्हांने कहा कि नवीन पदभार ग्रहण करते हुए आख्या कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग को उपलब्ध कराया जाये।

नशीली दवाओं का कारोबारी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नशे के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए पुलिस न औषधि विभाग की टीम ने एक घर में छापेमारी कर वहां से भारी मात्रा में नशीली दवाए

पुलिस व औषधि विभाग की संयुक्त कार्यवाही

बरामद की है। टीम द्वारा घर से नशीली दवाए बेचने वाले आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है हालांकि मामले में एक आरोपी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम एक सूचना के बाद कोतवाली ज्वालापुर

पुलिस ने औषधि विभाग के साथ संयुक्त ऑपरेशन को अंजाम देते हुए मोहल्ला चौहानान स्थित लिम्ब्रा फार्मेसी में आकस्मिक चैकिंग की गई तो कोई अवैध/प्रतिबंधित नशीली दवाइयां नहीं मिली।

मौके पर मौजूद व्यक्ति आमिर से स्वापक एवं मन: प्रभावी औषधीय के बारे में सख्ती से पूछताछ की गई तो उक्त व्यक्ति ने बताया कि मेडिकल का मालिक जुबैर है तथा वह पार्टनरशिप में काम करता है। दवाइयां उसके मौहल्ला चौहानान में ही स्थित घर में रखी हैं। जिस पर संयुक्त टीम द्वारा बताये गये घर में छापेमारी करते हुए वहां से भारी मात्रा में अवैध नशीली दवाइयां, कैप्सूल, कफ, सिरप, टैबलेट बरामद हुई। बरामदगी के आध ार पर कोतवाली ज्वालापुर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपी आमिर को पुलिस हिरासत में लिया गया है तथा मौके से फरार मैडिकल शॉप मालिक जुबैर की तलाश की जा रही है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।